हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शुक्रवार 5 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

प्रकाश बने शतरंज चैपियन एसपी ने दी बधाई

मण्डला। मध्यप्रदेश दिव्यांग शतरंज संघ के प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रकाश वंशकार ने इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय दिव्यांग शतरंज प्रतियोगिता 2026 में वरिष्ठ खिलाड़ी वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले सहित पूरे मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से जिले के खेलप्रेमियों एवं शतरंज जगत में हर्ष का वातावरण है प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद प्रकाश वंशकार ने अपनी टीम के साथ मंडला पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं मुलाकात के दौरान प्रतियोगिता के अनुभवों पर चर्चा की गई तथा जिले में शतरंज खेल के विकास और संचालित गतिविधियों की जानकारी भी साझा की गई। प्रकाश वंशकार ने अपनी सफलता का श्रेय अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी एवं ब्रेन मास्टर चेस अकादमी के प्रशिक्षक भास्कर गरियार तथा तनु गरियार के मार्गदर्शन को दिया। इस सफलता पर दिव्यांग जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, उपाध्यक्ष संजू लता, लकी गरियार, कोषाध्यक्ष भास्कर गरियार तथा मध्यप्रदेश दिव्यांग शतरंज संघ के संरक्षक वेद प्रकाश कुलस्ते सहित अनेक खेलप्रेमियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है।

गिट्टी, पत्थर एवं डस्ट की हो रही चोरी

करोंदी बांध से खनिज की चोरी

*** ट्रेक्टरों से कर रहे परिवहन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/निवास

कई करोड़ों की राशि से बनाये जाने वाला करोंदी बांध में निर्माण एजेंसी द्वारा घोर अनियमितता के चलते शासन ने उक्त कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कर दिया है, आगे क्या कर्रवाई हुई अज्ञात है।

उक्त एजेंसी द्वारा बांध के बीच क्रेशर लगाकर हजारों घन मीटर गिट्टी तोड़ी गई थी, जिसका कुछ बांध कार्य में उपयोग हुआ इसी दौरान कम्पनी ने कार्य बंद कर दिया पश्चात बाकी गिट्टी पत्थर व डस्ट आदि रातों रात खनिज माफियाओं द्वारा चोरी कर परिवहन कर लिया गया, और शासन प्रशासन हाथ पर हाथ रखे बैठा है।

जुटाई गई पुष्ट जानकारी अनुसार निवास के करोंदी वार्ड अंतर्गत बनाये जाने वाले डेम में वर्षों से सैकड़ो घन मीटर 20 साइज की गिट्टी का भंडार पड़ा हुआ था जिस पर खनिज माफियाओं की नजर गड़ी हुई थी उक्त गिट्टी को खनिज चोरों ने जेसीबी मशीन लगाकर ट्रेक्टरों में भरकर अपने गुप्त ठिकानों तक ले जाने में सफल हो गये।

बांध के नजदीकी टोले के लोगों ने बताया कि - हम सोच रहे थे कि सरकार ही गिट्टी ढूलवा रही होगी क्योंकि चोरों द्वारा मशीनों से कार्य करने से हम चोरी का तरीका नहीं समझ पाये।

ज्ञात हो कि उक्त डेम से पूर्व के वर्षों में भी अनेकों बार खनिज की चोरी की जा चुकी है। लेकिन आज दिनांक तक जिला से लेकर निवास के किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने इस बांध की ओर देखने तक को जरूरी नहीं समझा, शासन की इसी लापरवाही का नतीजा है कि खनिज चोरों का हौंसला जागा और इन्होंने शासकीय संपत्ति पर हाथ साफ कर लिया।

कृषि कार्य में पंजीकृत ट्रेक्टर लगे हैं अवैध कार्यों में

निवास क्षेत्र में दिन रात शासन प्रशासन की आँखों के सामने से कृषि कार्य के नाम से लिये गये ट्रेक्टर वाहन अवैध कार्यों में लगे हुये हैं, ट्रेक्टर चालक बेखौफ होकर मनचाही शासकीय अशासकीय भूमि को जेसीबी मशीनों से खनन कर पत्थर, मुर्रम,मिट्टी , रेत आदि का परिवहन कर रहे हैं, इस खनिज के मनमाने खनन कार्य से एक ओर जहां भूमि की प्रकृतिक संरचना बिगड़ रही है तो वहीं दूसरी ओर शासन को लाखों की मिलने वाली राजस्व राशि का नुकशान भी हो रहा है पर इसे देखे व समझे कौन?

हरित सोच को अपनायें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

गर्मी इतनी कि आसमान आग उगले,धरती तप कर भट्टी बन जाए, ठंड इतनी कड़ाके की ठि ठुरन से तड़प कर सांसे टूटने लगे,बारिश इतनी की जल प्रलय से त्राहि त्राहि मच जाए यानि हर मौसम में जीना दुश्वार होने लगा है और यह सब कुछ बिगड़ते पर्यावरण के ही तो परिणाम है। विकास के नाम पर प्रतिवर्ष कितने की जीते जाग ते, हरे मोटे छायादार वृक्षों को निर्मम हत्या की जाती है।जितने कटते हैं उतने नए पौधे लगा पाते हैं? नहीं बल्कि जितने पौधे रोपे जाते हैं उससे आधे भी पनप नहीं पाते। किसी विशेष अवसर पर वृक्षारोपण का विशेष अभियान चला कर, कार्यक्रमों में अतिथियों द्वारा पौधे लगवाना अच्छी पहल है जो निश्चित रूप से पर्यावरण के प्रति जन जागरूकता फैलाने के लिए उचित है किंतु सिर्फ यही पर्याप्त नहीं होता। प्रकृति बार-बार आगाह करती है, संकट के प्रति खबरदार भी करती है लेकिन सबसे बुद्धिमान मानव फिर भी अनजान बना हुआ है और आग लगने पर ही हुआ खोदने को तत्पर है।अभी लगातार सूखे और बाढ़ की चेतावनी दी जा रही है लेकिन कोई कारगर कदम उठाता हुआ दिखाई नहीं देता। सरकारी स्तर पर योजनाएं बनी है आगे भी बन जाएंगी और हो सकता है कि कागजों में पूरी भी दिखाई दे पर जमीन पर जो है उसे ही हकीकत का सामना करना होता है परिणाम अच्छा हो या बुरा झेलना धरती पर जीवन बिताने वालों को ही पड़ेगा इसीलिए पर्यावरण संतुलन की दिशा में कदम भी आप और हमको ही स्वऐक्षा और स्व विवेक से उठाना पड़ेगा। पर्यावरण संरक्षण हमारा नैतिक दायित्व है और हमारे सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक भी।जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर, चरम मौसम में घटनाएं और घटती जैव विविधता के रूप में दिखाई दे रहे हैं जिन्हें कुछ आसान उपायों से पर्यावरण की सुरक्षा की जा सकती है। जैसे :- कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनर्चक्रित करें। प्लास्टिक और पॉलिथीन का उपयोग से बचें। ऊर्जा और पानी की बचत करें। पौधे लगाए और उन्हें जीवित भी रखने का प्रयास करें। वाहनों का उपयोग कम करें। कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए लाइट का और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का सीमित उपयोग करें। संसाधनों का उपयोग पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए ही करें। अर्थात हर स्थिति में अब हमें हरित सोच को अपनाना ही होगा। हम जो भी कार्य करें वह पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही करें। हमारा भोजन हमारा भ्रमण पानी का उपयोग हमारे संसाधनों का उपयोग सब कुछ पर्यावरण को साथ में लेकर ही करना होगा। अपने स्तर पर बहुत छोटे-छोटे प्रयासों के साथ हम पर्यावरण के सभी संरक्षण में अपना एक बहुमूल्य योगदान दें पर्यावरण दिवस पर प्रकृति के प्रति यही हमारी सच्ची निष्ठा होगी।

डॉ प्रीति मनीष दुबे, मण्डला

टिकरिया पुलिस ने अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए की कार्यवाही.....

नारायणगंज। जिला मंडला के पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी द्वारा शराब, सट्टा एवं अन्य अपराधों में अंकुश लगाने के लिए जिले के समस्त थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए हैं इसी के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, एसडीओपी प्रीतम बालरे के मार्गदर्शन में थाना टिकरिया की पुलिस टीम के द्वारा लगातार थाना टिकरिया अंतर्गत नारायणगंज में सटोरियों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है खबर लिखने तक पुलिस की धमा चौकड़ी एक्शन से सटोरिया भूमिगत हो चुके हैं थाना टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडेय से इस संबंध में जानकारी ली गई जिनके द्वारा बताया गया कि लगातार थाना क्षेत्र में दबे दी जावेगी और थाना टिकरिया क्षेत्र को पूरी तरह से सट्टा मुक्त करना है। तकरिया पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुए अपराधियों को ढूंढ रही है शाम शाम 6:00 बजे से अपराधों में अंकुश लगाने के लिए नाकाबंदी की जा रही है जिससे अपराधियों पर हड़कंप मचा हुआ है।

श्रीमद्भागवत महापुराण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

राधा कृष्ण कुटी की महिला मंडल द्वारा पुरुषोत्तम माह के पावन अवसर पर संगीत में श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन रामलीला मैदान में किया जा रहा है यह आयोजन दो जून से 8 जून तक चलेगा मंगलवार को आयोजन के पहले दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई बताया गया की कथा व्यास एवं कथा वाचक पंडित अनिल दुबे द्वारा संगीतमें एवं कथा का दोपहर 2:00 से एवं सुबह 8:00 बजे से संस्कृत में कथा वाचन किया जा रहा है कृष्ण की बाल लीला एवं सुदामा चरित्र की कथा सुनाई जाएगी 9 जून को समापन एवं विशाल भंडारा का आयोजन महिला मंडल द्वारा किया जा रहा है जिसमें अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ ले विगत दिनों से पुरुषोत्तम माह मैं मैं राधा कृष्ण कुटी में पंडित कृष्ण कुमार पांडे द्वारा पुरुषोत्तम मां की सुबह 8:00 से कथा सुनाई जाती है जिसमें आसपास के लोग यहां पहुंचकर धर्म लाभ लेते हैं।

स्काउट गाइड मंडला ने श्रीमती वंदना गुप्ता का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जनजातीय कार्य विभाग में विभिन्न पदों के लंबे प्रशासनिकअनुभव और शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली श्रीमती वंदनागुप्ता को मध्यप्रदेश शासन द्वारा सहायक अयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग मंडला के पद पर पदस्थ किए जाने पर भारत स्काउट एवं गाइड मंडला द्वारा उनका आत्मीय अभिनंदन किया गया।

मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारीआदेश के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक एवं परिभ्रमण बैठक में लिए गए निर्णयों के आधार पर श्रीमती वंदना गुप्ता को प्राचार्य प्रथम श्रेणी के उच्च पद का प्रभार सौपते हुए सहायक अयुक्त, जनजातीय कार्यविभाग मंडला के पद पर पदस्थापना प्रदान की गई है। नई जिम्मेदारी मिलने के उपरांत भारत स्काउट एवं गाइड मंडला का प्रतिनिधिमंडल कार्यालय पहुंचकर श्रीमती वंदना गुप्ता का पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाओं के साथ अभिनंदन किया।उल्लेखनीय है कि श्रीमती गुप्ता भारत स्काउट एवं गाइड की जिला कमिश्रर के रूप में भी सक्रियभूमिका निभा रही हैं तथा संगठनात्मक गतिविधियों के संचालन में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

अभिनंदन कार्यक्रम में स्काउट गाइड मंडला के जिलासचिव लोक सिंह पदम, जिला एडल्ट रिसोर्स कमिश्नर दिनेश दुबे,कब कमिश्र अखिलेश चंद्रोल,सहायक जिला कमिश्नर विवेकशुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप मरावी तथा गाइड केप्टन श्रीमती शकुन सैयाम सहित अनेक।पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसअवसर पर भारत स्काउट एव गाइड मंडला के जिला मुख्यआयुक्त संजय तिवारी, जिलाअध्यक्ष अजय खोत, जिला कॉर्डिनेटर डॉ कपिल वर्मा सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती वंदना गुप्ता को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित कीं।

गौरतलब है कि अब श्रीमती वंदना गुप्ता पूर्ण कालिक सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग मंडला के रूप में अपनी सेवाएं देंगी तथा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणगंज के प्राचार्य पद के से मुक्त होंगी। उनके प्रशासनिक अनुभव और नेतृत्व क्षमता से जन जातीय कार्य विभाग मंडला को नई दिशा एवं गति मिलने की अपेक्षा की जा रही है।

हादसा | **क्रेन हादसे में बुधवार को हुई थी मजदूरर मौत।**

कम्पनी पर दर्ज हो एफआईआर-विधायक

*** हालोन पेयजल परियोजना में हुआ हादसा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

बिछिया क्षेत्र के ग्राम करंजिया में संचालित हालोन पेयजल परियोजना के कार्यस्थल पर हुए दर्दनाक हादसे में एक श्रमिक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। मृतक श्रमिक की पहचान कपूर झारिया के रूप में हुई है, जिनकी क्रेन टूटकर गिरने की दुर्घटना में मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देते हुए अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने तथा हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिलाया।

विधायक श्री पट्टा ने जिला अस्पताल पहुंचकर मृतक के पोस्टमार्टम में हो रही देरी पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पोस्टमार्टम नहीं होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने चिकित्सालय प्रबंधन से तत्काल पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए तथा भविष्य में ऐसी लापरवाही न होने की बात कही।

इसके बाद विधायक ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में लगी कंपनी की गंभीर लापरवाही सामने आने की बात उन्होंने कही। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक संसाधनों और सुरक्षा मानकों का अभाव दिखाई दिया। प्रारंभिक तौर पर यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि सुरक्षा व्यवस्थाओं में कमी के कारण यह हादसा हुआ है।

विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि निर्माण कंपनी की लापरवाही के कारण एक परिवार ने अपना कमाने वाला सदस्य खो दिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में केवल औपचारिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने पुलिस प्रशासन को घटना की निष्पक्ष जांच कर संबंधित कंपनी और उसके जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि घायल श्रमिकों का समुचित उपचार कराया जाए तथा मृतक के परिवार को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि श्रमिकों के अधिकारों और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की लड़ाई वे हर स्तर पर लड़ेंगे और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

घटना के बाद क्षेत्र के लोगों और श्रमिक संगठनों में भी रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि परियोजना में कार्यरत सभी श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

विधानसभा सदन में कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग कर चुके हैं विधायक - तीन साल पहले कार्य पूर्णता की अवधि ख़त्म हो चुकी है लेकिन विभागीय अधिकारी कम्पनी से लेन देन करके हर साल एक्सटेंशन देते जा रहे हैं, 600 गाँव अब भी प्यासे, परियोजना अब तक अधूरी है।

कार और बाइक भिड़ंत में 3 युवक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला जिले के बिछिया थाना क्षेत्र में मंडला-रायपुर नेशनल हाईवे-30 पर मंगलवार शाम एक कार और बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। ठोंड़ा गांव के पास हुए इस हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया पहुंचाया गया है। डॉक्टर्स के मुताबिक, इनमें से दो की हालत गंभीर है।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि बाइक सवार युवक आगे चल रहे एक वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान उनकी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार से सीधी टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे में घायल हुए युवकों की पहचान मनोज मरकाम (21 वर्ष, निवासी बंजर टोला), शैलेष धुर्वे (19 वर्ष, निवासी रहंगी समनापुर) और लतेश धुर्वे (22 वर्ष, निवासी बंजर टोला) के रूप में हुई है। वहीं, दुर्घटना का शिकार हुई कार बिछिया के बीआरसी (BRC) हेम सिंह मरावी की है, जो जबलपुर से बिछिया की तरफ आ रहे थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची बिछिया थाना पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

शमशान घाट पर आवारा मवेशियों का लगा रहता है जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय जिस प्रकार से प्रदेश सरकार द्वारा गांव गांव पक्के शमशान घाट इस सोच के चलते निर्मित कराये जा रहे है कि आदमी की जीवन की अंतिम यात्रा तो सुखमय तरीके से पूर्ण हो सके और जब किसी व्यक्ति की जिन्दगी समाप्त होने के बाद जब उसे अंतिम संस्कार करने के लिए ले जावे तो लोगों को कुछ शांति का अहसास हो सके? मगर इस समय जिस प्रकार से सांईखेड़ा के शमशान घाट की सच्चाई देखी जा रही है उसके चलते सरकार की संपूर्ण विकास कार्यों पर सबालिया निशाल लगने से नही बच पा रहे है? क्योंकि नगर का एक मात्र शमशान घाट अनेक प्रकार की अव्यवस्थाओं से घिरा हुआ दिखाई पड़ रहा है, जिसके उद्वार हेतु किसी भी प्रकार की सोच नही होने के कारण जहां यह शमशान घाट चारो ओर गंदगी से घिरा हुआ है, वही दूसरी ओर यहां पर चारो ओर से अतिक्रमण होने के कारण नगर का शमशान घाट मुश्किलों के बीच अपना दामन बचाने के लिए जूझते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो इस शमशान घाट पर किसी भी प्रकार की सुरक्षा नही होने के कारण जहां दिन भी आवारा पशुओं का जमावडा लगा रहता है, जिसके चलते जब कोई व्यक्ति किसी भी शव का अंतिम कार्य करने के लिए लेकर पहुंचते है तो आवारा पशुओं के बीच उस कार्य को पूर्ण करने के लिए भी लोगों को परेशानियों से जूझने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है?

लगभग पांच साल पहले ग्राम झांझनखेड़ा में मिट्टी खुदाई के दौरान मिले हुये वर्षो पुराने सिक्के कहा हो गये गायब ...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सैकड़ो वर्ष पहले क्षेत्र की भूमि पर अनेक राजाओं का साम्राज्य रहा है जिसके चलते जमीन के अंदर अनेक प्रकार की खनिज सहित संपदा छिपी हुई है और जब खुदाई के दौरान सैकड़ो वर्ष पुरानी कोई सामग्री मिलती है तो वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये लगभग चार वर्ष पहले जनपद पंचायत सांईखेड़ा अंतर्गत आने वाले ग्राम झांझनखेड़ा में भी देखने मिल मिली थी। जहां पर बताया जाता है कि ग्रामवासियों द्वारा गांव के समीप की गई मिट्टी की खुदाई के दौरान कुछ सैकड़ों वर्ष पुराने सिक्के मिलने के कारण यह खबर सोशल मीडिया पर वायरल होते ही जहां संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाई थी तो दूसरी ओर इन सिक्कों को देखने के लिये लोगों का ग्राम झांझनखेड़ा में पहुंचने के कारण हुजूम की स्थिति बन चुकी थी? वही दूसरी ओर इस तरह ग्राम झांझनखेड़ा में वर्षो पुराने सिक्के मिलने की जानकारी वायरल होते हुये अनेक जिम्मेदार अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षणस कराते हुये काफी लम्बे क्षेत्र में खुदाई कराई गई थी? वही लगभग दो साल पहले ग्राम झांझनखेड़ा में पाये गये वर्षो पुराने इन सिक्कों को लेकर पुरातत्व से तालुक रखने वाले कुछ लोगों को कहना था कि खुदाई में मिले यह सिक्के लगभग 300 से 400 वर्ष पुराने होने का अनुमान है जो मुगल शासन काल के बताये जा रहे थें? वही खुदाई में पाये गये सिक्कों उन सिक्कों सच्चाई क्या थी इस बात का जहां क्षेत्र के लोगों को कोई पता ही नही चल पाया है तो दूसरी ओर सबाल यह भी पैदा हो रहा है कि आखिरकार वह सिक्का कहा गायब हो गये? क्या प्रशासन द्वारा इन सिक्कों के संबंध में कोई जानकारी एकत्र करने का प्रयास नही किया गया था जिसके चलते क्षेत्रवासियों में आज भी उन सिक्कों की सच्चाई जानने के लिये उत्सुकता दिखाई दे रही है?

वनों की रक्षा से लेकर जगह जगह काटे जा रहे हरे भरे पेड़ो को लेकर बरती जाने वाली कोताही के चलते प्रदूषण से जूझ रही युवा पीढ़ी ...

पहले जैसा नहीं रहा क्षेत्र का का पर्यावरण: वनों की लगातार कटाई से बिगड़ रहा पृथ्वी का संतुलन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। भले ही आये दिन हमारे देश से लेकर प्रदेश व क्षेत्र के नेताओं द्वारा पर्यावरण की रक्षा को लेकर बड़ी बड़ी बाते करते हुए वृक्षारोपण किया जाता है। मगर इस समय पर्यावरण के साथ खिलबाड़ की जा रही है उसके परिणाम आने वाले भविष्य में भयानक होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? क्योंकि मौसम के द्वारा चाहे जब अपना विचित्र खेल दिखाने से क्षेत्रवासियों को चौकाने व चिंतित होने को क्यों मजबूर किया जा रहा है। यह सच्चाई किसी से छिपी नहीं है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो लगातार पर्यावरण के खराब होने का प्रमुख कारण है कि वाहनों की तादात बढ़ने से शहर व गांवो में रोज उठने वाले धुयें के गुबार किस हद तक माहौल को प्रदूषित कर रहा है और यह बात भी शायद किसी से छिपी नही है। क्योंकि जिस प्रकार से सड़को पर वाहन दौड़ते हुए लोगों को धुंआ के रूप में जो जहर परोस रहे है और उससे पर्यावरण पूर्णरूप से खराब हो रहा है। वही दूसरी ओर जिस स्थिति से क्षेत्र में लगातार लग रही नई फैक्ट्री भी प्रदूषण को खराब करने में पीछे नही है..? जिसके चलते स्वच्छ आबो हवा किसी तरह से क्षेत्रवासियों को नही मिल पा रही है। इन सबालों को जेहन में कौधने वाला अंतराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस आज 5 जून को है। ज्ञातव्य है कि आज शुक्रवार को शासन प्रशासन की ओर से जनता को पर्यावरण की रक्षा का संदेश देने के साथ अनेक प्रकार के आयोजन करते हुए लोगों को पर्यावरण की रक्षा करने की जानकारी के लिए शायद कोई आयोजन नही रखा गया हो..? लेकिन आमतौर पर जैसा होता आया है बाद में पर्यावरण को महफूज रखने में सहायक क्षेत्र की नदियों, पहाड़, वृक्षों की हो रही दुर्दशा को भुला दिया गया है। इसके आलवा इस बात पर भी चिंतन करना बंद कर दिया गया है कि आखिर किन कारणों से क्षेत्र का पर्यावरण निरंतर बिगड़ रहा है और इसकी स्थिति में सुधार करने की दिशा में प्रयास करने में हम सार्थक कदम क्यों नही उठा पा रहे है। गौरतलब है कि लगभग एक दशक से क्षेत्र के पर्यावरण के खराब होने का सिलसिला शुरू हुआ है जो थमने का नाम नही ले रहा है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो जिन सफेद पोश धारियों को आये दिन समाज सेवा की मंच पर बडी बडी बाते करने के साथ अपने आपकों आमजन की नजरों में निष्ठावान बन कर पर्यावरण की रक्षा करने के नाम पर पेड़ लगाते हुये देखा जाता है और उन्ही के द्वारा अपनी जेबे भरने हरियाली पर कुल्हाडी चलाने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पहले देखा जाता था कि जिस प्रकार से क्षेत्र के जंगल में खडे वृक्ष सुकून भरी हवाओं से झूमते इठलाते थें। मगर अब वे विभागीय अधिकारियों की मनमानी तथा इस जंगल की स्वार्थी जुगाड़ लीला से धराशाही होते चले जा रहे है..? क्योंकि इन जंगलों की रक्षा के लिए जिनको जिम्मेदारी सौपी गई थी वही अब वनों को उजडबाने में अपने अहिम भूमिका निभाते हुए जान पड़ने से नही चूक रहे है? वही दूसरी क्षेत्र के जंगलो में प्लानटेशन की गति धीमी रहने से सदाबाहर वृक्षों की तादाद कम हो गई है। इसी प्रकार से शहर व क्षेत्र के गांवों में पहले चले वृक्षारोपण अभियानों का हश्र भी बुरा होने से सड़को के किनारों पर लगे वृक्ष रख रखाव न होने से सूख रहे है या फिर वह कुल्हाडी के शिकार होते हुये देखे जा रहे है। कुछ इसी प्रकार का हाल क्षेत्र के सतपुड़ा पहाड़ के वृक्षों की बनी हुई है जो लगातार वृक्ष विहीन होते हुए देखा जा रहा है और इसी का परिणाम है कि हर वर्ष तपन में बढ़ोत्तरी होने से नही चूक रही है जिसकी सच्चाई वर्तमान समय में पड़ रही भीषण गर्मा एक उदाहरण के रूप में मौजूद है। वही सरकारों द्वारा भी हर साल पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए जहां करोड़ो रूपया खर्च करते हुए हरियाली महोत्सव के नाम से योजना चलाते हुए गांव गांव लाखो रूपया बांटते हुए वृक्षा रोपण कराया जाता है। मगर शासन की राशि खर्च करते हुए रोपे जाने वाले उन पौधों की क्या सच्चाई है यह शायद ही किसी से छिपी हो..? जिसको लेकर क्षेत्र की पंचयातों में कागजों के हिसाब से वृक्षारोपण तो हुआ है। मगर सच्चाई यह है कि पंचायतों द्वारा लगाये गये वृक्षों की स्थिति वहां पर बनाये गये ट्री गार्ड ही बता रहे है कि किस प्रकार से पंचयतों द्वारा वृक्षारोपण किया गया है जो सिर्फ अखबारों की सुर्खियों तक ही दिखाई देते हुए नजर आया है। क्योंकि ट्री गार्ड में रोपे गये वृक्षों की जगह मात्र बेसर्म के पेड ही दिखाई दे रहे है। जिससे यह बात तो स्पष्ट हो चुकी है कि पंचायतों में वृक्षरोपण के नाम पर खर्च की गई राशि मात्र कागजों व ट्री गार्डो तक ही सीमित रही होगी तो दूसरी ओर पर्यावरण को बेहतर बनाने बाली नदियाँ भी अपना दम तोड रही है। वही बारह माह अजीब हवाऐं चलने के कारण वातावरण विकृत होने से सावन माह में गर्मी और फागुन में ठंडक, ठंड के मौसम में तपिश का अहसास होने से अब यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा है कि कब कौन सा मौसम बेईमान हो जाएगा? विदित हो कि क्षेत्र में पर्यावरण के विगड़ने से जहां जन स्वास्थ्य तो खतरे में पड़ ही रहा है साथ ही साथ प्राकृतिक आपदाओं से क्षेत्रीय किसानों द्वारा से अपने खेतों में बोई जाने वाली फसलों की पैदावार में भी अंतर आ रहा है। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर इस सच्चाई से इंकार नही किया जा सकता है कि शहर में सीमेन्ट, कांक्रीट के जंगलों का विस्तार होने से आमजन जहां वार्किग की समस्या से जूझ रहे है। वही क्षेत्र में लगातार फैक्ट्रियों का जाल बिछने के कारण उनकी चिमनियों से उठने वाले धुयें से भी पर्यावरण की रक्षा नही हो पा रही है। क्षेत्र के पर्यावरण की दशा सोचनीय होने से वन्य प्राणी जंगल से पलायन कर शहर और गांवों की ओर भाग रहे है। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण की दशा में सुधार करने की दृष्टि से जंगल, सार्वजनिक स्थानों में लगे वृक्षों को बचाने, बेतरतीक बसाहट की रोकथाम के लिए जिम्मेदारों द्वारा शायद ही निष्ठा पूर्वक कभी भी प्रयास नही किए गये है और इसी का नतीजा है कि पर्यावरण बिगडंने का नतीजा उसे क्षेत्र की नई पीढ़ी को भोगने विवश होना पड़ रहा है?

नवीन शिक्षण सत्र की तैयारियों को लेकर स्कूल एमआईएस पोर्टल प्रशिक्षण संबंधी बैठक का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। वैसे तो स्कूल खुलने के लिये लगभग एक माह का समय शेष पड़ा हुआ है। मगर शिक्षा विभाग द्वारा तैयारियाँ शुरू कर दी गई है। इसी के चलते बीते हुये दिवस चीचली विकासखंड के जन शिक्षा केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय में जन शिक्षा केंद्र अधीनस्थ शासकीय शालाओं के प्रधान पाठको की नवीन शिक्षण सत्र तथा उल्लास नवभारत साक्षरता की बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। नवभारत साक्षरता के समन्वयक सत्यम ताम्रकार ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्कूल एमआईएस पोर्टल का बिंदुवार प्रशिक्षण देकर नामांकन तथा शाला भवन की अधोसंरचना से संबंधित जानकारी समय सीमा में संबंधित पोर्टल पर पूर्ण करने के सुझाव दिये गये। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने मार्च में संपादित असाक्षरों की परीक्षा के रिजल्ट की पोर्टल फीडिंग समीक्षा, बसाहटों में असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे, सामाजिक चेतना के संचालन, अक्षर साथियों के पंजीयन, आदर्श सामाजिक चेतना केंद्र में आवश्यक सामग्री की व्यवस्था तथा सामाजिक चेतना पंजी के सतत अद्यतन की बात पर बल दिया गया। वही बैठक को सम्बोधित करते हुए विकासखंड स्त्रोत समन्वयक चीचली डी के पटैल ने कक्षा पहली एवं कक्षा छठवीं में नवीन प्रवेश, नामांकन, मैपिंग , यू डाइस पोर्टल पर प्रोग्रेशन, पोर्टल पर निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, आईगाट कर्मयोगी प्रशिक्षण, अपार आई डी निर्माण, खाद्यान्न उठाव, निर्माण कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिये गये। वही जन शिक्षा केंद्र प्रभारी प्राचार्य भूपेश ठाकुर ने स्कूल चले हम अभियान द्वितीय चरण से संबंधित सभी बिंदुओं को समाहित करते हुए 16 जून को प्रत्येक विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव भव्यता से आयोजित के सुझाव दिए। इस बैठक सह प्रशिक्षण मे जनशिक्षाकेंद्र अधीनस्थ सभी प्रधान पाठको की उपस्थिति रही। इस बैठक का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशन तथा जिला परियोजना नरसिंहपुर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी चीचली के मार्गदर्शन में हुआ।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नर्मदा की सहायक नदियों का सर्वेक्षण एवं जन जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उदगम से संगम के अंतर्गत नर्मदा जी की सहायक नदियों का व्यापक सर्वेक्षण और जन जागरूकता का कार्य मप्र जिला जनअभियान परिषद के तत्वाधान में किया जा रहा है। जिला समन्वयक मप्र जन अभियान परिषद ने बताया कि विकास खण्ड चीचली के अंतर्गत ऊमर नदी का सर्वेक्षण कार्य नवांकुर संस्थाओं, परामर्श दाता, प्रस्फुटन समिति एवं समाजसेवी के द्वारा ग्राम पंचायत मोहपानी के दुर्गम पहाड़ी बड़ागांव से शुरु किया गया। सर्वेक्षण का उद्देश्य नदियों के संरक्षण, पुनर्जीवन तथा जन सहभागिता के माध्यम से जल संवर्धन के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना है। ऊमर नदी का सर्वेक्षण दल के द्वारा अध्ययन किया जा रहा है। अभियान के तहत नदी के उदगम स्थलों से संगम स्थल तक यात्रा कर विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं से संबंधित जानकारी एकत्रित की जा रही है। इनमें नदी की कुल लम्बाई, वर्तमान जल धारा की स्थिति, जल स्तर, वर्षा की मात्रा, नदी के पुल-पुलियों, रपटों आदि की जानकारी संकलित की जा रही है। इसके अतिरिक्त नदी तटों की वनस्पतियों, नदी में मिलने वाले नालों एवं सहायक जल धाराओं, ऐसे ग्रामों की जानकारी जहां का गंदा पानी नदी में प्रवाहित हो रहा है, नदी किनारे स्थित ग्रामों, सामाजिक संस्थाओं, मंडलों एवं आश्रमों का विवरण भी एकत्रित किया जा रहा है। साथ ही नदी क्षेत्र से जुड़े प्रभावशील व्यक्तियों तथा वाटरशेड प्रबंधन के अंतर्गत किए कार्यों का भी दस्तावेजीकरण किया जा रहा है। जन जागरण यात्रा के दौरान गांवों में ग्राम चौपाल, जल संवाद, स्वच्छता अभियान तथा नदी पुनर्जीवन आदि विषयों पर चर्चाएं आयोजित कर लोगों को जल संरक्षण व संवर्धन का महत्व बताया जा रहा है। उदगम स्थलों पर स्वच्छता एवं उसके संरक्षण जैसी अन्य गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण, नदी के संवर्धन तथा पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। सर्वेक्षण के दौरान पाया गया कि ऊमर नदी वनांचल ग्राम बड़ागांव स्थित ऊमर के पेड़ की जड़ों से प्रवाहित होती है। यह जल धारा आगे चलकर नदी के रूप में प्रवाहित होती है। यह नदी रानी दहाड़, माल्हनवाड़ा, मानेगांव, डांकनी पिपरिया, कुल्लोर, इकलोनी, ढ़ाना, बारहाबड़ा, ढुरुसुरू, पिपरिया, पलैरा इमलिया, उकासघाट, भमका, घुटगों, झांझनखेड़ा ग्राम तक सर्वेक्षण किया गया। इन ग्रामों में जन चौपाल कर जल संरक्षण व संवर्धन के लिए ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। इस दल में नवांकुर संस्था माही सामाजिक विकास संस्थान के अध्यक्ष संतोष चौरसिया, हरदौल जन सेवा समिति अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, कार्यक्रम समन्वयक रामेश्वर वर्मा, नवांकुर उकासघाट अध्यक्ष श्रीमती नीरू राजपूत, समाजसेवी, भीष्म शिक्षा समिति, परार्मशदाता, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति आदि शामिल है।

आखिरकार कहां गायब हो गई शासन की पांच साल पहले शुरू की गई शासकीय चिकित्सालय की भूमि से अतिक्रमण मुक्त कराने की मुहिम....?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि नगर में शासकीय भूमि पर जिस प्रकार से लगातार अतिक्रमण होने के साथ साथ पक्के आवासों का निर्माण होते हुये देखा जा रहा है जिसका परिणाम है कि शासकीय भूमि नक्से में तो दिखाई दे रही है। मगर मौके से गायब होने से नही चूक पा रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के शासकीय चिकित्सालय में देखने मिल रही है जिसके चलते यदि यहां की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासकीय चिकित्सालय के पास कहने के लिये तो कई एकड़ भूमि है। मगर अनेक प्रभावशालियों द्वारा जिस प्रकार से चिकित्सालय की भूमि पर अपना कब्जा जमाते हुये पक्के निर्माण किये गये है उसके चलते यह भूमि काफी हद तक अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुकी है। इस तहर से शासकीय भूमि को अतिक्रमणमारियों से मुक्त कराने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार लगभग पांच साल पहले कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान तत्कालीन विधायक श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा भी अधिकारियों को शासकीय भूमि को भू माफियों से मुक्त कराने के लिये सख्त आदेश जारी किये गये थें। जिसके चलते शासन प्रशासन की इस पहल के चलते निश्चित तौर से लगभग पांच साल पहले स्थानीय अधिकारियों द्वारा भी नगर की शासकीय चिकित्सालय की भूमि से अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने की तैयारी पूरी कर ली गई थी और इसी के चलते 7 जनवरी 2020 राजस्व विभाग के अधिकारियों को शासकीय चिकित्सालय की भूमि का नापतौत करते हुये देखा भी गया था? इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस तरह अधिकारियों द्वारा नगर के शासकीय चिकित्सालय की भूमि की नाम तौल करते हुये चूना डाला गया था उससे अनुमान लग रहा था कि शायद अब यहां की भूमि अतिक्रमण से मुक्त हो जावेगी? मगर पता नही अचानक प्रशासन की वह मुहिम कहा गायब हो गई जिसे वर्षो का समय बीते जाने के बाद भी आज तक पता नही चल पाया है? इस प्रकार से म.प्र. शासन के आदेश पर स्थानीय प्रशासन द्वारा गठित टीम ने कुछ साल पहले नगर के सरकारी अस्पताल की जमीन का नापजोख कर चूने की लाईनें डाली गई थी और डाली गई इन चूने की लाईन के अंदर की जमीन सरकारी अस्पताल की बताई जा रही है जो चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही थी तो दूसरी ओर यहां पर रहने वाले लोगों की नींद भी गायब होते हुये देखी जा रही थी..? जमीन का नाप तौल करने के लिये पहुंचे कर्मचारियों द्वारा जिस प्रकार से चूने की लाईन डालते हुये जिस भूमि को शासकीय चिकित्सालय की बताई जा रही थी उसके चलते इस लाईन के अंदर अनेक बहुमंजिला इमारते तनी हुई देखाई देने से नही चूक रही थी..? मगर सरकार के बदलने के बाद इस मुहिम की फाईल कहा गायब हो गई है जिसका आज तक कोई पता नही चल पाया है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वार लगातार भूमाफियों के खिलाफ कार्यवाही किये जाने की बात कही जा रही है मगर इसके बाद भी नगर की शासकीय चिकित्सालय की भूमि जिस तरह अतिक्रमण के जाल में फंसी हुई है अधिकारियों द्वारा उसकी अनदेखी करना चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अनेक सबालों को जन्म देते हुये जान पड़ रहे है।

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। सरकार द्वारा गैस प्राप्त करने के लिये बनाये गये नये नियमों के चलते जहां एक ओर लोगों को इस समय गैस प्राप्त करने के लिए परेशान होते हुए देखा जाता है। मगर वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्व तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है, इस बात की सच्चाई सड़को पर आलू बंडा, चाट, मुंगोडी और अंडे का ठेला लगाने वाले बेहतर जानते है? जब भी किसी अधिकारी को कानून का पालन करानें की याद आती है तो सड़क किनारे से 4-5 सिलेंडर जप्त कर लिये जाते है, परंतु रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने में अधिकारियो के हाथ में न जाने क्यो दही जम जाता है? घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद है। शादियो सीजन के दौरान जहां खुलेआम घरेलू गैस का दुरूपयोग होते हुये देखा जाता है। वही दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी जम शाम ढले किसी समारोह में सह परिवार पहुंचते है तो वहां हर स्टॉल पर घरेलू सिलेंडरो पर रखे कड़ाहो से विभिन्न व्यंजन तलकर निकलते है तो वे इनका आनंद लेते हुई दिखाई देने से नही चूकते है? इस प्रकार से घरेलू सिलेंडरो का मुद्दा कैटरर्स के पाले में आते ही उनके रसूख और शादियो के ढोल ढमाको में दबकर रह जाता है। वही देखा जावे तो प्लेट्स के आधार पर बिल चार्ज करने वाले कैटरर्स को व्यवसायिक काम के लिए कामर्शियल सिलेंडरो का उपयोग करना गंवारा नही है जिसके चलते प्रतिदिन दर्जनो सिलेंडर खाली कर देने वाले इन कैटरर्स को कभी गैस संकट का सामना भी नही करना पड़ता है। इस प्रकार से घरेलू गैस की बढ़ती कीमतो ने भले ही खाने का स्वाद बिगाड़ दिया हो मगर आयोजनों में खाना बनाने वाले पूरी दिलैरी के साथ लोगो को लजीज व्यंजनो का स्वाद चखा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है? जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल की जा रही है, जिसके चलते शहर में आये दिन चोरी छुपे 100-50 रूपये में रिफिल किये जाने का कारोबार जोरो पर है? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना चिंता की बात है? जबकि इस प्रकार से संभावित हादसो और घरेलू गैस की किल्लत को रोकने के लिये यह बेहद आवश्यक है कि विभागीय अधिकारी गंभीरता दिखाते हुए इन पर नकेल कसने का प्रयास करें एवं जिन स्थानो पर असुरक्षित तरीके से गैस रिफलिंग का काला कारोबार चल रहा है उन ठिकानो पर छापामारी कर उन्हे सबक सिखाया जाये, वही विवाह समारोहो एवं अन्य ऐसे आयोजन जहां घरेलू गैस के दुरूपयोग पर भी अंकुश लगना जरूरी है।

सांईखेड़ा में लग रहे जाम को लेकर उदासीनता बरत रहा प्रशासन, किसी दिन घटित हो सकती है बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा । इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा को जहां ग्राम पंचायत से नगर पंचायत व तहसील का दर्जा मिल जाने के कारण अब इस कसबा ने बड़ा रूप धारण तो कर ही लिया गया है। वही देखा जावे तो यहां से प्रदेश स्तर के मार्ग का निर्माण होने के बाद स्थिति इस प्रकार से हो गई है कि अब इस क्षेत्र से बड़े वाहन निकल रहे है, क्योंकि मार्ग का नगर के अंदर से निकलने का यह परिणाम है कि आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता चला जा रहा है, वही नगर के अंदर से निकले हुए मार्ग चलते जहां आये दिन जाम की स्थिति निर्मित तो हो ही रही है। इतना ही नही यहां से बड़े वाहनों के 24 घंटे निकलने से आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरे के घंटी भी बजते हुए देखी जा रही है? क्योंकि जब से सांईखेड़ा उदयपुरा जाने वाले मार्ग के बीच नर्मदा नदी पर पुल का निर्माण हुआ है उस समय से यहां से जिस प्रकार के वाहन गुजर रहे है उसके कारण इन वाहनों का नगर के मध्य से निकलना खतरे से खाली नही है? क्योंकि इसी मार्ग पर जहां तहसली कार्यालय पड़ता है, वही दूसरी ओर जनपद कार्यालय होने के साथ साथ साप्ताहित बाजार भी सड़क किनारे लगने के कारण लोगों की जिन्दगी के लिए आये दिन खतरा साबित हुए हुये जान पड़ रहे है। इतना ही नही इस सड़क से इस प्रकार से बड़े वाहनों के निकलने के कारण सड़कों की दुर्गति भी होते हुए देखी जा रही है? इस प्रकार की स्थिति को देखते हुए नगरवासियों द्वारा बच्चों के स्कूली समय तथा साप्ताहिक बाजार के दिवस पर नगर के मध्य से गुजरने वाले बड़े वाहनों के निकलने पर रोक लगाये जाने की मांग की गई है, मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा नगरवासियों की मांग को जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते यह जान पड़ने लगा है कि शायद प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किसी दिन कोई बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है?

खबर संक्षेप

सुब्रोतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 15 से 18 जून तक उमरिया में

उमरिया। जिले में राज्य स्तरीय सुब्रोतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 18 जून 2026 तक किया जाएगा। प्रतियोगिता में बालक अंडर-15, बालक अंडर-17 तथा बालिका अंडर-17 आयु वर्ग की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन की तैयारियों एवं सफल संचालन के लिए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से खिलाड़ी, प्रशिक्षक तथा अधिकारी शामिल होंगे। प्रतियोगिता की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय करेंगी, जबकि कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी जिम्मेदारी निभाएंगे। आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। गठित समितियों के सभी प्रभारी एवं सदस्यों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ करें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि आवश्यकता के अनुसार आवास व्यवस्था में परिवर्तन किया जा सकता है, जिसकी पूर्व सूचना संबंधित पक्षों को उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतियोगिता की तैयारियों के मद्देनजर शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 5 जून 2026 को प्रातः 11 बजे कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, उमरिया में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

नाबालिक से बलात्कार करने वाले आरोपी की जमानत निरस्त

अनूपपुर। लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि आरोपी प्रियांसू जायसवाल पिता कैजू उर्फ कंजू जायसवाल उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम चाका थाना व तहसील कोतमा ने फोन के माध्यम से अभियोक्त्री से जान पहचान कर उसे अपने घर बुलाकर शादी करने का कहकर अभियोक्त्री के साथ शारीरिक संबंध बनाया और आष्वासन देकर कई बार गलत काम किया। अभियोक्त्री जब 02 माह की गर्भवती हो गयी तो आरोपी ने शादी से इंकार कर दिया। जिससे व्यथित होकर अभियोक्त्री ने थाना कोतमा में लिखित शिकायत की। उक्त अपराध के संबंध में थाना कोतमा में प्रथम सूचना रिपोर्ट अपराध क्रमांक 178/2026 अंतर्गत धारा धारा 64 (1), 64 (2) (ड) बी.एन.एस. 2023, धारा 3 (2) (5) एस.सी.एस.टी. एक्ट एवं धारा 5, (6) पॉक्सो एक्ट में पंजीकृत किया गया और आरोपी को 14 मई को गिरफ्तार किया गया। मामले में आरोपी की ओर से तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश कृष्णा डागलिया के न्यायालय में जमानत पर छोड़े जाने हेतु जमानत आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिस पर सुनवाई करते हुए और शासन की ओर से पैरवी कर रहे लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा रखे गए तर्कों और बहस तथा मामले की गम्भीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए न्यायालय ने बलात्कार के आरोपी प्रियांषू जायसवाल की जमानत आवेदन को निरस्त कर दिया गया। आरोपी वर्तमान में जिला जेल अनूपपुर निरुद्ध है।

50 वर्षीय अधेड ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत समीपी गांव बुढानपुर मे 50 बर्षीय अधेड ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बारे मे मिली जानकारी अनुसार बुढानपुर गांव निवासी गणेश गणेश कोल उर्फ बबलू पिता स्वर्गीय सीता रमैया उम्र लगभग 50 वर्ष ने बुधवार की देर शाम अपने घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना की जानकारी लगते ही परिजनों के द्वारा थाने में सूचना दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार कर पी एम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की विवेचना मे जुट गई है।

सामुदायिक वन अधिकारों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। जनपद पंचायत सभागार मानपुर में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत सामुदायिक वन अधिकार तथा धारा 3(1)(प) में वर्णित सामुदायिक वन संसाधन एवं उसके प्रबंधन संबंधी अधिकारों को मान्यता प्रदान किए जाने की प्रक्रिया पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक स्तरीय वन अधिकार समिति द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत सामुदायिक वन अधिकारों, सामुदायिक वन संसाधनों की पहचान, दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया तथा संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन संबंधी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

टेढ़ी दीवारें झुके कॉलम और पुराने चौखट लगाने के आरोप

लाखों की लागत से बन रहे उप स्वास्थ्य केंद्र की गुणवत्ता पर उठे सवाल

मेंहदवानी डिंडौरी। विकासखंड मेंहदवानी के ग्राम सरसा रैयत में लगभग 60 से 62 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन उप स्वास्थ्य केंद्र भवन की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों की अनदेखीए घटिया सामग्री के उपयोग तथा निर्माण गुणवत्ता में लापरवाही के आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने कलेक्टर डिंडौरी को शिकायत सौंपकर स्वतंत्र जांच कराने और जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग की है।ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माणाधीन भवन की कई दीवारें तिरछी दिखाई दे रही हैंए जबकि कुछ कॉलम भी सीधे न होकर झुके हुए नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि भवन निर्माण के शुरुआती चरण में ही सामने आ रही खामियां इसकी मजबूती और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रही हैं।

शिकायतकर्ता संतोष कुमार मरकाम सहित ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मानकों

का पालन नहीं किया जा रहा है। पर्याप्त पानी का छिड़काव नहीं किया गया तथा निर्माण सामग्री की गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे संबंधित उपयंत्री की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि स्पष्ट खामियों के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की गई।

सूचना पटल नहींए पुराने चौखट लगाने का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण स्थल पर अब तक सूचना पटल नहीं लगाया गया हैए जिससे स्वीकृत लागतए निर्माण एजेंसी और अन्य तकनीकी जानकारी सार्वजनिक नहीं हो सकी है। इसके अलावा भवन में नए चौखटों के स्थान पर पुराने और उपयोग किए गए चौखट लगाए जाने की तैयारी किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की मांग

ग्राम पंचायत के सरपंच एवं ग्रामीणों ने मांग की है कि मामले की जांच किसी स्वतंत्र तकनीकी अधिकारी या अन्य विभाग के उपयंत्री से कराई जाएए ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके। उनका कहना है कि जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य पर रोक लगाई जानी चाहिए।इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ;सीएमएचओद्ध डिंडौरी ने शिकायत मिलने पर मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है। अब ग्रामीणों की नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि उप स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा है और निर्माण गुणवत्ता में लापरवाही भविष्य में लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।

कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण अनियमितता मिलने पर नोटिस जारी

डिंडौरी। खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों को गुणवत्तायुक्त बीजए उर्वरक एवं कीटनाशक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग द्वारा जिले में कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में 3 जून को बजाग तहसील क्षेत्र के निजी कृषि आदान विक्रेताओं एवं बजाग सोसायटी का निरीक्षण किया गया।सहायक संचालक कृषि अभिलाषा चौरसिया के मार्गदर्शन में कृषि विभाग की टीम ने बीज भंडार एवं किसान केंद्रों का निरीक्षण कर स्टॉक रजिस्टरए विक्रय अभिलेखए लाइसेंस तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। निरीक्षण के दौरान कुछ प्रतिष्ठानों में बिल बुक एवं स्टॉक पंजी संधारित नहीं पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

अधिकारियों ने विक्रेताओं को निर्देशित किया कि बीजए उर्वरक एवं कीटनाशक दवाओं का विक्रय नियमानुसार करें तथा प्रत्येक किसान को सामग्री विक्रय के समय पक्का बिल अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। साथ ही सभी अभिलेख अद्यतन रखने एवं लाइसेंस की शर्तों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान धान बीज के गुणवत्ता परीक्षण के लिए चार नमूने भी एकत्र किए गए। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों की सुरक्षा एवं गुणवत्तायुक्त कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिले में निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।विभाग ने किसानों से अपील की है कि कृषि आदान सामग्री खरीदते समय अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदारी करें तथा पक्का बिल अवश्य प्राप्त कर सुरक्षित रखेंए ताकि आवश्यकता पड़ने पर शिकायतों का निराकरण किया जा सके।

करंजिया में अब हर मंगलवार होगी जनसुनवाई

जनपद अध्यक्ष राजू सिंह उद्दे के अनुरोध पर जारी हुए निर्देश विभागीय अधिकारियों की रहेगी अनिवार्य उपस्थिति

करंजिया, डिंडौरी। जनपद पंचायत करंजिया क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से अब जनपद पंचायत करंजिया में प्रत्येक मंगलवार को नियमित जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इस संबंध में जिला पंचायत डिंडौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत अध्यक्ष राजू सिंह उद्दे ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र लिखकर क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए नियमित जनसुनवाई प्रारंभ करने तथा सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। इसके बाद 3 जून 2026 को जारी आदेश के तहत जनपद पंचायत करंजिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मंगलवार को जनपद पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में पंचायत एवं ग्रामीण विकासए स्वास्थ्यए शिक्षाए कृषिए महिला एवं बाल विकासए राजस्वए विद्युत एवं पेयजल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जनसुनवाई के माध्यम से ग्रामीणों की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रयास किया जाएगा।जनपद अध्यक्ष राजू सिंह उद्दे ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर समयबद्ध तरीके से होए इसके लिए नियमित जनसुनवाई आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस व्यवस्था से आमजन को राहत मिलेगी तथा शासन.प्रशासन और जनता के बीच संवाद और अधिक मजबूत होगा।क्षेत्रीय नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि नियमित जनसुनवाई से उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया अधिक सरल और प्रभावी होगी।

सरकारी कार्यालयों स्कूल और छात्रावासों में भी अग्नि सुरक्षा का अभाव

डिंडौरी।

दिल्ली की एक होटल में घटित भीषण अग्निकांड में 21 लोगों की मौत के बाद जिले के व्यवसायिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन नहीं होने पर सवाल उठने षुरू हो गये हैं। हालात यह हैं कि जिला मुख्यालय सहित अन्य जगहों पर दर्जन भर होटल और लॉज संचालित हैंए लेकिन केवल एक होटल के पास फायर एनओसी उपलब्ध है। इसके अलावा किसी भी होटल रेस्टोरेंट में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थायें नहीं है। वहीं नगर में बसाहट के आसपास संचालित लकड़ी टालों में भी अग्नि सुरक्षा के कोई व्यवस्थायें नहीं है। प्रशासनिक अनदेखी के चलते व्यावसायिक और ऊंची इमारतों में भी अग्नि हादसों से बचाव की स्थितियां नदारद हैं। जबकि जिले में दो फायर बिग्रेड ही हैंए ऐसी स्थिति में संस्थानों के पास निजी रूप से अग्नि सुरक्षा इंतजाम अनिवार्य हैं।

लकडी टालों में हादसों की आशंका

गौरतलब है कि जिला मुख्यालय में लगभग नौ लकडी टाल और टिम्बर फैक्ट्री संचालित हैं लेकिन किसी में भी अग्निशमन यंत्रए फायर ऑडिट और फायर एनओसी नहीं है। बीच बस्ती में इनके संचालन से जानमाल के नुकसान की आशंका बनी हुई है। इस बावद भी जिम्मेदारों का रुख बेफिक्र नजर आ रहा है।

रेस्टोरेंट होटल में नियम की अनदेखी

दिल्ली में हुए भीषण अग्नि हादसे से भी प्रशासन सबक नहीं ले रहा है। जिले में एक होटल के अलावा किसी भी अन्य रेस्टोरेंट और होटलों में आग से बचाव के पर्याप्त उपकरण नहीं है। जबकि होटल संचालन हेतु फायर एनओसी अनिवार्य है। हैरत की बात है कि नियमों की अनदेखी करके लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।

सरकारी कार्यालय और स्कूल हॉस्टल में भी खतरा

शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि सरकारी कार्यालय स्कूलों और छात्रावासों में अग्निशामक यंत्र होना अनिवार्य है। निर्देशों के पालन में कुछ कार्यालयोंए स्कूलों और छात्रावासों में अग्निशमन उपकरण लगे तो हैं लेकिन मरम्मत और रिफिलिंग नहीं होने से यह उपकरण निष्क्रिय पड़े हैंए जो हादसों से निपटने में विफल साबित हैं।

15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले भवनों में एनओसी अनिवार्य

गौरतलब है कि भवन निर्माण संहिता 2016 के अनुसार 15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले भवनों और बडे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए फायर एनओसी अनिवार्य है। वहीं 500 मीटर वर्ग मीटर तक क्षेत्रफल और 15 मीटर से कम ऊंचाई वाले छोटे होटल एवं भवनों को फायर विभाग से एनओसी लेने की आवश्यकता नहीं होती। ऐसे प्रतिष्ठानों को शासन द्वारा अधिकृत एजेंसियों से अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त करना होता है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित रूप से सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण और रखरखावए कर्मचारियों का प्रशिक्षण आवश्यक है। दिल्ली हादसे यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि मानकों के पालन में चूक बडी दुर्घटना सबब बन सकती है।

इनका कहना है

अग्नि सुरक्षा मानकों के सुरक्षा पालन हेतु व्यावसायिक प्रतिष्ठानोंए होटलोंए रेस्टोरेंट को निर्देशित किया गया है। अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी पर कड़ाई बरती जा रही है। आगामी दिनों में नगर परिषद की टीम द्वारा सघन जांच कराई जावेगी।
आशीष कोरी प्रभारी
मुख्य नगर पालिका अधिकारी

सुंदर पाठ कर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने की समस्याओं के समाधान की प्रार्थना

डिंडोरी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघए जिला शाखा डिंडोरी द्वारा सुंदर पाठ का आयोजन कर सरकारए नीति.निर्माताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों के सद्बुद्धि एवं जनहितकारी निर्णयों के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में कर्मचारियों ने ईश्वर से विनम्र निवेदन किया कि संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की वर्षों पुरानी समस्याओं का न्यायपूर्ण एवं सकारात्मक समाधान हो।संघ पदाधिकारियों ने कहा कि संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी विपरीत परिस्थितियोंए महामारी तथा विभिन्न स्वास्थ्य चुनौतियों के दौरान भी निरंतर जनता की सेवा में समर्पित रहे हैं। इसके बावजूद उनकी सेवा सुरक्षाए वेतन विसंगतियों एवं अन्य लंबित मांगों का समाधान अभी तक नहीं हो सका है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि उनका यह आयोजन किसी के विरोध में नहींए बल्कि न्यायए सम्मान एवं अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए की गई प्रार्थना है।

कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों ने एक स्वर में प्रदेश की सुख.समृद्धिए जनकल्याण तथा संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण की कामना की। उन्होंने सरकार से मांग की कि संविदा कर्मचारियों की उचित मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंए ताकि कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से समाज एवं राष्ट्र की सेवा कर सकें।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश उरैतीए जिला कोषाध्यक्ष नेहा सिहारेंए जिला उपाध्यक्ष उपेन्द्र पारासर एवं जफर खान जिला मीडिया प्रभारी कमल ठाकुरए सह मीडिया प्रभारी गिरीश डेहरियाए महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अंजना धुर्वेए महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष रूपा नामदेवए वरिष्ठ मार्गदर्शक सुशील नामदेव सहित आनंद मोहरेए अंकित चौरसियाए विजयए अनिल साहूए विशाल नामदेवए डॉण अंकित अलावेए विक्की जमरा तथा डिंडोरीए अमरपुरए समनापुरए बजागए करंजिया एवं मेहदवानी विकासखंडों के कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करते हुए संगठन की एकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

मानसून पूर्व तैयारियां समय पर पूरी करें जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकतः कलेक्टर

डिंडौरी। आगामी वर्षा ऋतु और संभावित आपदा परिस्थितियों को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में आपदा प्रबंधन तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभिन्न विभागों को मानसून पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने नागरिक सुरक्षाए विद्युत व्यवस्थाए दुर्घटना निवारणए बाढ़ एवं अन्य आपदा प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्षा प्रारंभ होने से पहले नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर खुले मैनहोल और खुले बोरवेलों को चिन्हित कर सुरक्षित रूप से बंद कराया जाएए ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे।

बैठक में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को भी मानसून पूर्व विद्युत तंत्र की व्यापक जांच कर आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से खुले विद्युत तारोंए जर्जर लाइनों तथा अन्य जोखिम वाले स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा गया।कलेक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और निर्धारित कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेण्पीण यादवए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्माए डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डिंडौरी में निःशुल्क स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

डिंडौरी। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ;आरसेटीद्ध डिंडौरी द्वारा ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जून माह के विभिन्न निःशुल्क स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया है। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए जाएंगे।संस्थान में मत्स्य पालनए कृषि उद्यमिता विकासए अचार.पापड़ निर्माण तथा जूट उत्पाद निर्माण जैसे व्यवसायिक विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को तकनीकी जानकारी के साथ व्यवसाय प्रबंधनए बैंक ऋण प्रक्रिया एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की भी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

आरसेटी के निदेशक ने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। उन्होंने जिले के इच्छुक युवक.युवतियों एवं महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण में भाग लेकर स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने की अपील की है।प्रशिक्षण संबंधी अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी आरसेटी कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं अथवा मोबाइल नंबर 7067492401 एवं 7067547676 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ऑल इंडिया अमरकंटक ट्रेक कैंप में गूंजा राष्ट्रीय एकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश के अनुपपुर जिले में स्थित पवित्र एवं प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध अमरकंटक की वादियों में आयोजित ऑल इंडिया अमरकंटक ट्रेक कैंप 2026 का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। मैकल पर्वत श्रृंखला पर स्थित अमरकंटक, जहां विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं का अद्भुत संगम होता है तथा जहां से जीवनदायिनी मां नर्मदा का उद्गम होता है, वहां आयोजित इस राष्ट्रीय शिविर ने देश के विभिन्न राज्यों से आए युवाओं को एकता, अनुशासन, साहस और सांस्कृतिक समन्वय का अनूठा अनुभव प्रदान किया। यह प्रतिष्ठित ट्रेक कैंप तीन चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण 1 जून से 8 जून, द्वितीय चरण 9 जून से 16 जून तथा तृतीय चरण 17 जून से 24 जून तक संचालित होगा। शिविर का आयोजन ब्रिगेडियर रितेश बहल (ग्रुप कमांडर, जबलपुर) के मार्गदर्शन तथा लेफ्टिनेंट कर्नल एके शर्मा (ऑफिसर कमांडिंग, 7 एमपीओ (ई) कंपनी एनसीसी शहडोल) एवं लेफ्टिनेंट कर्नल अमन प्रीत सिंह (ऑफिसर कमांडिंग, 24 एमपी बटालियन एनसीसी छिंदवाड़ा) के नेतृत्व एवं देखरेख में किया गया। शिविर के प्रथम चरण में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से आए लगभग 510 एनसीसी कैडेटों तथा 15 एनसीसी अधिकारियों ने सहभागिता की। कैंप के शुभारंभ अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल एके शर्मा ने कैडेटों को प्रेरक उद्बोधन देते हुए राष्ट्र सेवा, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उन्हें शिविर के उद्देश्यों से अवगत कराया। शिविर के दौरान कैडेटों ने अमरकंटक की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों का भ्रमण किया। उन्होंने नर्मदा उद्गम मंदिर, जैन मंदिर, यंत्र मंदिर, माई की बगिया, सोनमुड़ा, दुर्गा धारा, कबीर चबूतरा, कपिल धारा, दूध धारा तथा शंभू धारा जैसे प्रमुख स्थलों का अवलोकन किया। ट्रेकिंग गतिविधियों के माध्यम से युवाओं ने न केवल प्रकृति की अनुपम छटा का आनंद लिया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संवर्धन का संकल्प भी लिया। प्रतिदिन सायंकाल आयोजित सांस्कृतिक संध्याओं में विभिन्न राज्यों से आए कैडेटों ने अपने-अपने प्रदेशों की लोक संस्कृति, लोकगीत, नृत्य, नाटक एवं रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता का परिचय कराया।

ख़बर संक्षेप

रानी अवंती बाई मुख्य नहर की दीवारें क्षतिग्रस्त

गोटेगांव। रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना की मुख्य नहर विभागीय लापरवाही के कारण बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। बरहटा के पास ग्राम सिहोरा स्थित मरहा पुल से करैहिया तक नहर के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में जंगली वृक्ष उग आए हैं।कई वर्षों से सफाई नहीं होने के कारण इन वृक्षों की जड़ों ने नहर की सीसी कंक्रीट दीवारों और लेटर को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है। इससे नहर में पानी का रिसाव बढ़ गया है और भविष्य में नहर फूटने का खतरा भी पैदा हो गया है।ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि उन्होंने कई बार विभाग और प्रशासन को शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। किसानों ने उच्च अधिकारियों से वृक्षों की कटाई और क्षतिग्रस्त दीवारों के पुनर्निर्माण की मांग की है।

डीएपी खाद से भरा ट्रक जब्त

नरसिंहपुर। गत दिवस खाद की कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई की गई। सुआतला थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर डीएपी खाद से भरा एक ट्रक क्रमांक एमपी 28 जी 3256 को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, ट्रक में 50-50 किलो की कुल 160 बोरियां डीएपी खाद का अवैध परिवहन किया जा रहा था। पुलिस ने सूचना मिलने पर वाहन को रोका, उसकी जांच की और संबंधित विभागों को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंचे खाद्य विभाग के अधिकारियों ने पंचनामा बनाकर ट्रक और खाद को अपने कब्जे में ले लिया। मामले में परिवहन संबंधी दस्तावेजों और खाद की वैधता की जांच की जा रही है। प्रशासन द्वारा जब्त खाद के वास्तविक मालिक और संभावित सप्लाई नेटवर्क का पता लगाया जा सकता है। प्रशासन ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। संबंधित विभाग खाद की कालाबाजारी और अवैध परिवहन पर लगातार निगरानी रख रहे हैं।

किशन चैधरी का जिला बदर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के प्रावधानों के तहत जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर थाना गोटेगांव अंतर्गत निवासी छोटू उर्फ किशन पिता रवि चैधरी को जिला बदर किया गया है। छोटू उर्फ किशन को नरसिंहपुर जिला और उससे लगे जिलों छिंदवाड़ा, सिवनी, जबलपुर, दमोह, सागर, रायसेन एवं नर्मदापुरम की राजस्व सीमाओं से एक वर्ष की अवधि के लिए निष्कासित किया गया है। जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने छोटू उर्फ किशन को आदेशित किया है कि वह उक्त आदेश की प्राप्ति के 48 घण्टों के भीतर उक्त जिलों की सीमाओं से बाहर चला जावे तथा अपने आचरण में सुधार करें।

बरगी नहरों से सिंचाई के लिए किसानों से मांग पत्र आमंत्रित

नरसिंहपुर। कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर डिस्नेट संभाग नरसिंहपुर श्री व्हीएस बघेल ने बताया कि वर्ष 2026 की खरीफ फसलों की बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल लेने मुख्य नहर की आरडी 81.30 से 130.670 किमी तक वितरण प्रणालियों केसली माइनर, सिवनी डिस्ट्रीब्यूटरी, मातनपुर माइनर, भगदवां शाखा नहर, अंडिया डिस्ट्रीब्यूटरी, सुरगी डिस्ट्रीब्यूटरी, कंदेली डिस्ट्रीब्यूटरी, रहली डिस्ट्रीब्यूटरी एवं मुख्य नहर 102 से 130.670 किमी के बीच डायरेक्ट माइनरों से लगभग 183 ग्रामों के किसानों से 25 जून 2026 के पूर्व तक मांग पत्र एवं अनुबंध प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। जिससे नहरों से खरीफ फसलों के लिए निर्धारित तिथि से जल प्रवाह किया जा सके। इन ग्रामों में लगभग 8300 हेक्टेयर रकबे में खरीफ फसलों की सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है।

नहीं रहे नरेंद्र सेठ

तेंदूखेड़ा विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित सेठ नरेंद्र कुमार जैन का निधन हो जाने पर उन्हें नगर के सभी वर्गों के लोगों ने श्रंद्धाजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।सेठ जी संजय विकास भूपेश जैन के पूज्य पिता थे।

दामोदर प्रजापति नहीं रहे

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रतिष्ठित प्रजापति परिवार के रतन प्रजापति के पूज्य पिता दामोदर प्रजापति का निधन हो जाने पर नगर के लोगों ने अपनी विदाई देते हुए श्रंद्धाजलि अर्पित की।

विशेष सर्वे कर कुपोषण बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का का पूरा डाटा एकत्रित किया जाए

स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक
ग्राम स्तर पर विशेष सर्वे करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक ली। बैठक में स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सुपरवाईजर मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सभी आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ग्राम स्तर पर विशेष सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने शत प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, हाई रिस्क महिलाओं व कुपोषित बच्चों की पहचान व प्रबंधन करने के निर्देश दिए। यदि कोई गर्भवती महिला हाई रिस्क है, तो उच्च संस्थाओं में उनका सुरक्षित प्रसव कराने के निर्देश दिए। यदि महिला के संबंधी या परिवार सदस्य उच्च संस्थाओं में लाने के लिए अवरोध उत्पन्न करते हैं, तो इसकी सूचना मेडिकल ऑफिसर, सीबीएमओ और कलेक्टर को देनी होगी। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिले की मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, आवश्यक पोषण देने एवं एचबीएनसी कार्यक्रम का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ग्रामों में आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। आधार, समग्र आईडी, ई-केवायसी एवं डीबीटी के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों में आशा कार्यकर्ता व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।

पोषण ट्रेकर और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

कलेक्टर ने जिला पोषण समिति की विभागीय समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, पोषण ट्रेकर और एमआईएस में प्रदर्शित डेटा की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास सुश्री प्रांजलि मर्सकोले, समस्त सीडीपीओ और महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी सुपरवाईजर मौजूद थे। कलेक्टर ने बैठक में भवन निर्माण, लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और सीएम हेल्पलाइन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि आगामी जुलाई माह में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जो बच्चे निजी स्कूलों मे जा रहे हैं, उन्हें पोषण ट्रेकर में स्कूल गोइंग श्रेणी में दर्ज किया जाए। जिन हितग्राहियों को आधार कार्ड से संबंधित कोई भी समस्या आ रही है, उन्हें आधार कैम्प में भेजकर आधार सुधार का कार्य प्राथमिकता से कराया जाए, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकें। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, जीआरएस और सचिव के माध्यम से सभी गर्भवती महिलाओं को इस आधार कैम्प में लाने के लिए प्रयास किए जाएं। एमएम बास्क के अंतर्गत बच्चों की प्रविष्टि (एंट्री दर्ज करने का कार्य) हर माह की 21 से 30 तारीख के बीच अनिवार्य रूप से पूर्ण की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि पिछले 6 महिनों में जो भी बच्चे सेम (अति गंभीर कुपोषण) की श्रेणी से सुधरकर मेम (मध्यम कुपोषण) की श्रेणी में आए हैं, उन सभी बच्चों का पूरा डाटा एकत्रित किया जाए। उनका विशेष सर्वे करवाया जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बच्चों के स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शिक्षा विभाग के विभिन्न संवर्गो से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निराकरण हो

शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षा अधिकारी से मिला

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस मध्यप्रदेश शिक्षक संघ नरसिंहपुर की जिला कार्यकारिणी के तत्वावधान में डाइट प्रांगण में शिक्षकों का जिला स्तर पर एकत्रीकरण हुआ। जहां पर अनौपचारिक बैठक में शिक्षा विभाग के विभिन्न संवर्गों से जुड़ी विविध समस्याओं पर विस्तार से मंथन किया गया। इसके उपरांत जिला अध्यक्ष सत्य प्रकाश त्यागी के नेतृत्व में शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचा। यहां प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा अधिकारी से भेंट कर शिक्षा और शिक्षक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र में छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने और शिक्षण कार्यों को और बेहतर बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष शिक्षकों की लंबित समस्याओं को पत्र देकर प्रमुखता से रखा, जिनमें शामिल हैं क्रमोन्नति व वेतनमान 35 वर्षीय सेवा पूर्ण कर चुके शिक्षकों के चतुर्थ वेतनमान के क्रमोन्नति आदेश सहित अन्य प्रथम द्वितीय तृतीय क्रमोन्नति वेतनमान के शेष आदेश तत्काल जारी किए जाएं। परामर्शदात्री समिति विभागीय स्तर की जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाए। विभिन्न प्रकार के लंबित एरियर्स और देयकों के भुगतान की स्पष्ट रूपरेखा और समयबद्ध भुगतान तय हो। अर्जित अवकाश ग्रीष्म अवकाश में जनगणना, परीक्षा, प्रशिक्षण व अन्य शासकीय कार्यों में लगाई गई ड्यूटी के एवज में मिलने वाले अर्जित अवकाश की शिक्षकों की सेवा पुस्तिका में समय पर प्रविष्टि की जाए।

सचिव कमलेश श्रीवास्तव, ने बताया कि चर्चा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने शिक्षकों की समस्याओं को सुना और नियमानुसार शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों की गुणवत्ता और शिक्षकों की समस्याओं का समाधान दोनों ही विभाग की प्राथमिकता है। इस अवसर पर डॉ सीएल कोष्टी, आनंद प्रकाश श्रीवास्तव , भगवत झारिया और होतीलाल शर्मा, चन्द्रभान साहू, विनोद साहू, गणेश बादल,संजय साहू , रामकुमार पालीवाल,आनंद नेमा, बालकिशन नेमा सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

निजी भूमि पर कब्जे का आरोप, पीड़ित ने एसडीएम से लगाई गुहार

गोटेगांव। नगर के कामथ वार्ड स्थित खुब्बी का बगीचा क्षेत्र में निजी भूमि पर कथित अतिक्रमण और अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने एसडीएम कार्यालय में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।शिकायत के अनुसार खसरा नंबर 258/1/12, रकबा 1057 वर्गफुट भूमि पदमचंद्र वाडिया एवं मोतीलाल वरडिया के नाम दर्ज है। आरोप है कि विजय कुमार केशरवानी एवं उनके पुत्र उक्त भूमि पर पक्का मकान और सीढ़ी का निर्माण करा रहे हैं।मामले की सूचना पुलिस, तहसीलदार, नगरपालिका एवं अन्य संबंधित विभागों को भी दी गई है।इनका कहना हैः अवैध निर्माण संबंधी शिकायत प्राप्त हुई है। आरआई और पटवारी की टीम को मौके पर भेजकर भूमि की पैमाइश कराई जाएगी। दस्तावेजों के आधार पर जांच कर वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

45 लीटर कच्ची, 92 पाव देशी एवं 1265 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

आबकारी विभाग द्वारा जिले में मदिरा संबंधी अवैध गतिविधियों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बुधवार को वृत नरसिंहपुर, गाडरवारा और तेंदूखेड़ा में अवैध मदिरा के विरूद्ध दबिश देकर कार्रवाई की गई। दबिश के दौरान 45 लीटर कच्ची हाथ भट्टी अवैध मदिरा, 92 पाव देशी मदिरा (16.56 बीएल) और 1265 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर मप्र आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इस दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री रवींद्र जैन, आबकारी उपनिरीक्षक श्री सतीश कुमार, भ्रांति सैयाम, आब.आर. लाल जी प्रसाद, नवल सिंह ठाकुर, ब्रिज किशोर सोनी, तन्मय टेकाम, दीपांश चैकसे, महिला आरक्षक अंकिता शुक्ला और नगर सैनिक मौजूद थे।

खनिज का अवैध परिवहन करते हुए दो ट्रेक्टर-ट्राली पुलिस अभिरक्षा में रखा गया

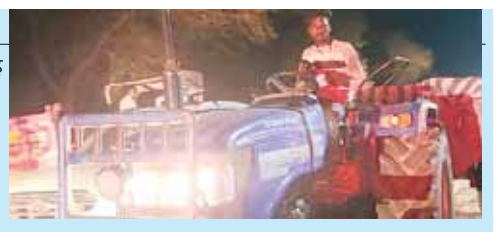

नरसिंहपुर, प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा नरसिंहपुर ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए संयुक्त निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में खनिज विभाग के द्वारा बुधवार 3 जून को एक ट्रेक्टर-ट्राली खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते और गुरूवार 4 जून के एक ट्रेक्टर-ट्राली खनिज रेत का अवैध परिवहन करते पाया गया। उक्त दोनों ट्रेक्टर-ट्रालियों के विरूद्ध प्रकरण तैयार कर पुलिस थाना कोतवाली में अभिरक्षा के लिए रखा गया है।

उखड़ कर गिरने लगा मंडी का टीन शेड

तेंदूखेड़ा

हाल ही में लाखों रुपए का ठेका देकर मंडी का टीन शेड बनवाया गया है। बड़े वाले शेड में केवल रंगाई पुताई ही करवाई गई है। लेकिन विगत दिनों थोड़ी सी ही हवा के चलते कुछ टीनें उखड़ कर नीचे गिर गई है।जिसे लेकर लोगों ने सवालिया निशान लगायें हैं। लोगों का कहना है कि मंडी में घोष विक्रय कभी कभार ही हो पाता है। और मंडी में मंडी की आय से लाखों रुपए के काम करवाये जाते हैं आखिर कार किसकी सुविधा के लिए।वीते ही पखवाड़े में मंडी की कारगुजारियों को समाचार पत्रों के माध्यम से उजागर किया गया था। यहां पर गुणवत्ता को ताक पर रखकर हो रही दुकानों के निर्माण रंगाई-पुताई और व्यापारियों से की गई अवैध वसूली सहित विभिन्न विंदु जनचर्चा के विषय बनें हुए हैं। जानकार लोगों का कहना है कि यदि मंडी में चल रहे क्रिया कलापों में यदि डेढ़ साल के बाबूचर निकाल कर निष्पक्ष रुप से जांच हो जायेगी तो कई चौकाने वाले तथ्य सामने निकलकर आ जायेंगे।

36 दिव्यांगो को बांटे गए कृत्रिम उपकरण

तेंदुखेडा। विगत दिवस जनपद पंचायत चांवरपाठा में एडिप योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल के द्वारा दिव्यांजनों कृत्रिम हाथ पैर ट्राय साइकिल वितरण किये गये। तथा शिविर में दिव्यांगो से संवाद किया। इस मौके पर विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

राज्य का सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग दिव्यांग नागरिकों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके जीवन को सुगम बनाने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित कर रहा है। जिन हितग्राहियों को कृत्रिम अंग प्रदान किए जा रहे हैं। वे अब अधिक सहजता से अपने दैनिक कार्य कर सकेंगे। शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। रोजगार से जुड़ सकेंगे और आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ सकेंगे। यह वास्तव में सेवा और समर्पण का श्रेष्ठ उदाहरण है ।प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में चल रही जन कल्याणकारी योजनाएं जिनका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना है।

छाप छोड़ने लगा दीनदयाल काम्प्लेक्स

तेंदूखेड़ा। तहसील कार्यालय के सामने बेरोजगारों को रोजगार की दृष्टि से बनाया गया दीनदयाल काम्प्लेक्स अब जर्जर हो चुका है और इसमें बरसात के दिनों में पानी का रिसाव दीवालें मुंह फाड़ने जैसी विभिन्न विसंगति देखने को मिलने लगी है। गुरुवार को इसी काम्प्लेक्स में एक दुकान का ऊपरी छत की छाप नीचे जा गिरी एक बहुत बड़ा हादसा टल गया।गनीमत यह रही कि जिस स्थान पर यह छाप गिरी उस सीट पर कोई बैठा नहीं था नहीं तो बुरी तरह से जख्मी हो जाता।

भगवान का नाम ही सबसे बड़ा सहारा: पीठाधीश्वरतरवारा

गोटेगांव के समीप ग्राम तरवारा में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के तृतीय दिवस पंच अग्नि पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि श्रीमद् रामकृष्णानंद जी महाराज ने श्रद्धालुओं को भक्ति और धर्म का संदेश दिया।महाराज श्री ने गजेन्द्र मोक्ष प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि संसार में धन, बल और पद से बड़ा सहारा भगवान का नाम है। उन्होंने बताया कि जब गजेन्द्र ने संकट की घड़ी में भगवान नारायण का स्मरण किया तो प्रभु स्वयं उसकी रक्षा के लिए पहुंचे।समुद्र मंथन प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि अमृत प्राप्ति से पहले विष निकलता है। उसी प्रकार जीवन में सफलता प्राप्त करने से पूर्व संघर्ष और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।कथा के दौरान भजन-कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन और महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महाराज श्री ने कहा कि भागवत कथा केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए है। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

नाम सुधार सूचना

मै शपथकर्ता अदिति नेमा पुत्री विपिन नेमा उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम शिवाजी वार्ड कन्देली नरसिंहपुर तहसील व जिला नरसिहपुर म.प्र. शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि मैं उपरोक्त पते पर रहती हू। दिनांक 20.11.2007 को डॉ. पराडकर नर्सिंग होम नरसिंहपुर में मेरा जन्म हुआ है। मेरी मां का नाम ज्योति नेमा व पिता का नाम विपिन नेमा है। मेरे जन्म के समय मेरे माता पिता का पता शिवाजी वार्ड कन्देली नरसिंहपुर तहसील व जिला नरसिंहपुर रहा है जो आज भी है। यह कि नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर द्वारा मेरा जन्म प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण क्रमांक 3942 जावक क्रमांक 4465 जारी दिनांक 11.12.2007 प्रदान किया गया है जिसमे मेरा वैष्णवी नेमा (अदिति) दर्ज है। जबकि मेरे सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में एवं मेरे आधार कार्ड नंबर 7928 4333 6854 में मेरा नाम अदिति नेमा दर्ज चला आ रहा है। यह कि मैं अपने जन्म प्रमाण पत्र में अपना नाम अदिति नेमा एवं माता का नाम ज्योति नेमा एवं पिता का नाम विपिन नेमा दर्ज कराना चाहती हू तथा अपना जन्म प्रमाण पत्र डिजीटल करवाना चाहती हू जिस बावत यह शपथपत्र पेश है।

नाम परिवर्तन

मै श्रीमती हेमलता बाई पति हीरालाल उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम खैरी, पोस्ट कोदसा, तहसील करेली, जिला नरसिंहपुर मप्र की स्थायी निवासी हूँ । यह कि शपथकर्ता के नाम ग्रामीण डाक जीवन बीमा निधि में पालिसी नम्बर R-MP-BH-E-A-39931 संचालित है। यह कि शपथकर्ता के आधारकार्ड, वोटरकार्ड, बैंक पासबुक व अन्य सभी शासकीय दस्तावेजों में हेमलता बाई पति हीरालाल दर्ज है जबकि बीमा पालसी में सरस्वती बाई चमार लिखा हुआ है । यह कि सरस्वती बाई और हेमलता बाई दोनो नाम एक ही महिला के है जो मै स्वयं हूँ, अन्य कोई दूसरी नही है । जिसके लिये मैने दोनो नाम मेरे होने का शपथपत्र भी दिया है।

शपथकर्ता - हेमलता बाई पति हीरालाल
निवासी खैरी पो कोदसा तहसील करेली
जिला नरसिंहपुर मप्र

आदिवासी क्षेत्रों में आवागमन सुविधाओं की जरूरत, स्वयं के वाहनों से होता है आना जाना

तेंदूखेड़ा । आवागमन विकास में सहायक होता है। जहां जितना सुगम आवागमन होता है वह क्षेत्र उतना ही विकास करता है। लेकिन इसी आवागमन की समस्या को लेकर आदिवासी बाहुल्य ग्राम विकास की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पा रहा है। यहां के लोग पहले कच्चे कीचड़ युक्त दुर्गम मार्ग से पैदल आना जाना किया करते थे।समय की रफ्तारन के हिसाब से फिर पक्का सड़क मार्ग बन तो गया लेकिन आवागमन यात्री वाहनों की इस मार्ग पर आज भी चलन नहीं है।जिस कारण से यहां के लोग या तो स्वयं के बाहनों से आवागमन किया करते हैं। या फिर मजबूरीबश माल बाहक वाहनों में भेड़ बकरी की तरह क्षमता से अधिक जान जोखिम में डालकर आना जाना किया करते हैं। इतना ही स्कूली छात्र छात्राओं को हायर सेकंडरी और उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए या तो पैदल आना जाना किया करते हैं या फिर मोटरसाइकिलों से लिफ्ट लेकर आते जाते हैं।

आवागमन और चिकित्सा में वंचित है क्षेत्र

तीन जिलों सागर रायसेन और नरसिंहपुर जिले की सीमा से लगे ग्राम मर्रावन इमलिया खकरैडी ब्रह्मनी मौआखेडा और स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महती भूमिका निभाने वाले ग्राम ढिलवार आने जाने के लिए कोई भी यात्री बस सेवा उपलब्ध नहीं है।आजादी के बाद पांच दशकों तक यह क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से दूर ही रहा। पूर्व में यहां पर एक आयुर्वेदिक औषधालय तो खोला गया था लेकिन किन्हीं कारणों बस आज तक बंद पड़ा हुआ है। यहां के लोगों को आज भी मरीजों को लेकर तेंदूखेड़ा इलाज कराने आने पड़ता है।या फिर नीम हकीम अपनी दुकान चलाते हैं। मरीजो को मोटर साइकिल से या फिर तेंदूखेड़ा से बाहन बुलाकर इलाज कराने के लिए ले जाना पड़ता है। यहां पर यात्री वाहनों की दरकार है। मप्र सरकार द्वारा फिर से सड़क परिवहन सेवा शुरू करने जा रही है।इस आदिवासी बाहुल्य ग्रामों को जोड़ने के लिए प्राथमिक मिले।

बिल्थारी ग्राम भी आवागमन सुविधा से दूर

शासन ने पिछले दस सालों में पहुंच विहीन गांवों को मुख्य सड़क मार्गों से जोड़ा है चाहे प्रधानमंत्री सड़क मार्ग हो या फिर अन्य मदों से सड़कों का निर्माण लेकिन आवागमन की व्यवस्था अभी तक मुहैया ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। पुण्य सलिला मां नर्मदा के किनारे बसे ग्राम बिल्थारी आवागमन की दृष्टि से बाहनों की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यहां पर भामा तरफ से होकर या फिर डोभी तरफ से जाने के लिए पक्के सड़क मार्ग तो बन गये हैं लेकिन यात्री वाहनों की बेहद कमी है।

यात्री बसों का प्रचलन शुरू हो

ग्राम पंचायत मर्रावन की आदिवासी महिला सरपंच श्रीमती संजो बाई का कहना है कि हमारा क्षेत्र आवागमन की दृष्टि से काफी उपेक्षित है यहां पर यात्री टाइमिंग बसों का प्रचलन शुरू होना चाहिए। यात्री वाहनों को चलने से लोगों को जहां सुविधा होगी वहीं स्कूली बच्चों को भी आवागमन में सुविधा होगी।यहां पर यात्री वाहनों की व्यवस्था होने से राजस्व की अच्छी प्राप्ति होगी।माल बाहक वाहनों द्वारा मनमाफिक किराया लिया जाता है। और बाहनों में क्षमता से अधिक लोगों को भरा जाता है। चूंकि आवागमन लोगों की मजबूरी है इसलिए आना जाना करना पड़ता है।

आदिवासी क्षेत्र ही बंचित क्यों

मर्रावन ग्राम पंचायत के लोगों का कहना है कि हमारा आदिवासी क्षेत्र ही आवागमन की सुविधा से वंचित है। इमलिया से बड़ी संख्या मजदूर माल बाहक वाहनों में भरकर सुबह जाते और वापस लौट कर आते भी हैं। यहां पर यात्री वाहनों की व्यवस्था होनी चाहिए।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एजेंसी देना है

नरसिंहपुर जिले के अंतर्गत करकबेल, बोहानी, चीचली, बरमान में हरिभूमि अखबार की एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति सुरक्षा निधि के साथ संपर्क करें।

हरिभूमि कार्यालय
प्लाट नं. 66/1 इंडस्ट्रियल एरिया,रिछाई जबलपुर (म.प्र)

मोबाइल नंबर
9340637789
9479623424